प्रख्यापन

"हिंदी भाषा अध्ययन में डी. एड. छात्रअध्यापक में पाये जानेवाले श्रवणदोष एक अध्ययन" शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है जो एम. फिल. (शिक्षाशास्त्र) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। जहाँ तक मुझे ज्ञात है यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की एम. फिल. उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

RSAwaghade
22/1/04
शोध छात्रा

स्थान : कोल्हापूर
तिथि : 22/1/04

(कु. अवघडे रेखा सहदेव)

डॉ. सीमा म. येवले
प्रपाठक, शिक्षाशास्त्र विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापूर.

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि **अवघडे रेखा सहदेव** ने मेरे निर्देशन में ***"हिंदी भाषा अध्ययन में डी. एड., छात्रअध्यापक में पाये जानेवाले श्रवणदोष– एक अध्ययन"*** लघुशोध प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापूर की एम. फिल. उपाधि के लिए सफलतापूर्वक एंव पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। यह उनकी मौलिक रचना है। जहाँ तक मेरी जानकारी है इससे पूर्व उपर्युक्त विषयपर शिवाजी विश्वविद्यालय अथवा अन्य किसी विश्वविद्यालय में एम. फिल. की उपाधि के लिए लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत नहीं हुआ है। जो तथ्य इस शोध–प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। शोध छात्र के प्रस्तुत शोध–कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

शोध–निर्देशिका

(डॉ. सीमा एम. येवले)

स्थान – कोल्हापूर

तिथि– २२/१/०५